



प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर संकाय के नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

भुवनेश्वर, 26 सितंबर 2025: आईआईटी भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ मैकेनिकल साइंसेज के डॉ. योगेश जी. भूमकर द्वारा किए गए नवाचारों ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। भारतीय सेना ने एकीकृत रक्षा स्टाफ, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर 22 और 23 सितंबर 2025 को ट्राई-सर्विसेज एकेडेमिया टेक्नोलॉजी संगोष्ठी के लिए नई दिल्ली के मानेकशाँ सेंटर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर, डॉ. भूमकर द्वारा प्रदर्शित मानव रहित नाव यूएसवी (मानव रहित सतह वाहन) और अंडरवाटर ड्रोन एयूवी (ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल) की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया। चल रहे अनुसंधान एवं विकास प्रयास और आगे संवर्द्धन और परीक्षण के बाद सेना द्वारा भविष्य में अपनाने के लिए इसकी पहचान की गई। डॉ. भूमकर को 23 सितंबर 2025 को माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान से पुरस्कार मिला।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा जगत और सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था। रक्षा विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न संस्थानों और स्टार्टअप्स के अनुसंधान प्रस्तावों और प्रदर्शनों की समीक्षा की गई, जिसमें शॉर्टलिस्ट की गई प्रविष्टियों को प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित किया गया और कार्यक्रम के दौरान मान्यता दी गई।

गौरतलब है कि यूएसवी और एयूवी का उपयोग महासागरों, समुद्रों और तटीय क्षेत्रों में निगरानी के लिए किया जाता है। यूएसवी पानी की सतह पर चलते हैं और जहाज यातायात की निगरानी कर सकते हैं, तस्करी या अनधिकृत मछली पकड़ने जैसी अवैध गतिविधियों का पता लगा सकते हैं और ऑपरेटरों को वास्तविक समय डेटा भेज सकते हैं। एयूवी पानी के भीतर काम करते हैं और सतह के नीचे के क्षेत्रों का गुप्त रूप से निरीक्षण करने के लिए उपयोगी होते हैं, जैसे पनडुब्बियों या पानी के नीचे की खदानों का पता लगाना। साथ में, वे मानव जीवन को जोखिम में डाले बिना समुद्री वातावरण में सुरक्षा और जागरूकता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।


